

सुद्राक्षीपुर विद्यालय में विद्यार्थियों ने सीखा मृदा स्वास्थ्य का महत्व

मिट्टी की जांच के आधार पर उर्वरकों के संतुलित प्रयोग की दी गई जानकारी



स्वदेश संवाददाता

कुडहित (जामताड़ा): नेशनल मिशन ऑन सॉयल हेल्थ एंड फर्टिलिटी के तहत कुडहित प्रखंड के पीएम श्री उत्क्रमित विद्यालय सुद्राक्षीपुर में विद्यालय मृदा स्वास्थ्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में मृदा स्वास्थ्य एवं मृदा परीक्षण के प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के साथ-साथ मिट्टी की उर्वराशक्ति के संरक्षण के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र,

जामताड़ा के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. संजय कुमार, आत्मा के उप परियोजना निदेशक संजय कुमार सिंह, बीटीएम सुजीत कुमार सिंह, विद्यालय के प्रधानाध्यापक गौरी शंकर यादव, शिक्षक देवव्रत मंडल सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। इस दौरान विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को मृदा स्वास्थ्य, मिट्टी की जांच की आवश्यकता, मिट्टी में मौजूद विभिन्न पोषक तत्वों तथा संतुलित मात्रा में उर्वरकों के प्रयोग की जानकारी दी। विशेषज्ञों ने बताया कि मिट्टी की जांच के आधार पर ही खेतों

में आवश्यक पोषक तत्वों और उर्वरकों का उचित मात्रा में प्रयोग किया जाना चाहिए। इससे खेती की लागत कम करने के साथ मिट्टी की उर्वराशक्ति को लंबे समय तक बनाए रखने में मदद मिलती है। विद्यार्थियों को मृदा नमूना संग्रह करने की वैज्ञानिक प्रक्रिया के बारे में भी विस्तार से बताया गया। उन्हें समझाया गया कि सही तरीके से मिट्टी का नमूना लेकर उसकी जांच कराने से खेत की वास्तविक पोषक स्थिति की जानकारी मिलती है और उसी के अनुरूप फसल के लिए पोषक तत्वों का प्रबंधन किया

जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और मृदा स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न विषयों पर जानकारी प्राप्त की। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे मृदा स्वास्थ्य का संदेश अपने परिवार तथा आसपास के किसानों तक पहुंचाएं, ताकि किसान वैज्ञानिक तरीके से मिट्टी की जांच कराकर संतुलित उर्वरक का प्रयोग कर सकें। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को यह संदेश दिया गया कि स्वस्थ मिट्टी ही बेहतर फसल और समृद्ध किसान की आधारशिला है।